सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-26
17/01/2016

मुख्यमंत्री ने तीन दिवसीय बौद्ध महोत्सव 2016 का उद्घाटन किया

पटना, 17 जनवरी 2016 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज कालचक्र मैदान बोधगया में तीन दिवसीय बौद्ध महोत्सव का उद्घाटन किया। इस अवसर पर एक महती सभा को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि बौद्ध महोत्सव के अवसर पर एक बार पुनः बोधगया में उपस्थित होकर अपार प्रसन्नता हो रही है। जब भी बोधगया आता हूँ, आने की इच्छा बनी रह जाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ज्ञान की भूमि है, जहॉ सिद्धार्थ भगवान बुद्ध बने। सिद्धार्थ एक स्थान से दूसरे स्थान पर तपस्या करते रहे लेकिन अंततोगत्वा इसी स्थान पर पीपल वृक्ष के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई। उन्हीं के स्मृति में बौद्ध महोत्सव मनाया जाता है। बौद्ध महोत्सव का अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप उभर चुका है। बौद्ध महोत्सव में सिर्फ भारत ही नहीं, विश्व के अनेक देशों से बौद्ध धर्मावलंबी एवं कलाकार इसमें भाग लेते हैं। इसका आयोजन पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन करता है। बोधगया मंदिर प्रबंध समिति द्वारा इसमें भरपूर सहयोग मिलता है। बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति के महासचिव श्री एन0 दोरजे के कुशल प्रबंधन में महाबोधि मंदिर की व्यवस्था बेहतरीन तरीके से की जा रही है। यहॉ का प्रबंधन उतम कोटि का है। दुनिया भर के बौद्ध श्रद्धालू यहॉ आते हैं। महाबोधि मंदिर में एक दुखद घटना घटी थी, जिससे लोग चकित रह गये। यह ज्ञान प्राप्ति की भूमि है, यहॉ पर कोई बम ब्लास्ट कैसे कर सकता है। यह अद्भूत जगह है। बम ब्लास्ट के बाद मंदिर परिसर की सुरक्षा के लिये कई इंतजाम किये गये हैं। पर्यटकों की सुरक्षा एवं सुविधा के लिये बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति, प्रशासन एवं सरकार तत्पर है। यह पावन पवित्र परिसर भव्य लगता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बौद्ध महोत्सव में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की संख्या धीरे–धीरे बढ़ रही है। स्थानीय लोगों के साथ–साथ बाहर से भी लोग आ रहे हैं। परम पावन करमापा एवं भारत में थाईलैंड के राजदूत आज उपस्थित हैं। यह गौरव की बात है, दूसरे मूल्क के प्रतिनिधि भी बौद्ध महोत्सव में उपस्थित हैं। परम पावन करमापा यहॉ प्रतिवर्ष आकर प्रवास भी करते हैं। मंदिर में जो आयोजन चल रहा है, मंदिर के चारो तरफ बड़ी संख्या में बौद्ध धर्मावलंबी उपस्थित होकर पूजा–अर्चना करते हैं। कालचक्र का आयोजन इसी मैदान में हुआ था। दुनिया भर के अनेक मूल्कों के बौद्ध धर्मावलंबी आये थे। दलाईलामा के नेतृत्व में कालचक्र पूजा में आये विदेशी पर्यटकों की संख्या दस लाख हो गयी थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में 2005 के बाद पर्यटकों की संख्या दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। 2005 में देशी पर्यटकों की संख्या 68,7,685 थी, जो बढ़कर 2014 में 2,25,44,300 हो गयी। वितीय वर्ष 2015–16 में 2015 के नवम्बर तक देशी पर्यटकों की संख्या दो करोड़ पॉच लाख हो गयी है। इसके बाद और पर्यटक आ रहे हैं। इस बार आने वाले देशी पर्यटकों की संख्या सारे ऑकड़े पार कर जायेंगे। 2005 में विदेशी पर्यटकों की संख्या 63 हजार 321 थी, जो बढ़कर 2014 में 8 लाख 24 हजार हो गयी। नवम्बर 2015 में यह संख्या बढ़कर 9 लाख हो गयी है। इस प्रकार का आयोजन पर्यटकों को और आकर्षित करते हैं। जो भी यहॉ पर्यटक आते हैं, उसमें बहुत बड़ी संख्या बौद्ध धर्मावलंबियों की है। वैसे पर्यटक भी आते हैं, जिनका प्राचीन इतिहास में अभिरूचि है। नालंदा विश्वविद्यालय का खण्डहर देखने के लिये भी पर्यटक आते हैं। दुनिया का पहला विश्वविद्यालय नालंदा अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के रूप में

स्थापित हुआ था। नालंदा विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में विदेशी लोग ज्ञान प्राप्त करने के लिये आते थे। नालंदा विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने के लिये छात्रों को दरवाजे पर ही इंटरव्यू देना पड़ता है। आज अन्तर्राष्ट्रीय नालंदा विश्वविद्यालय को पुनर्जीवित किया जा रहा है, उसका स्वरूप अन्तर्राष्ट्रीय है। तेलहाड़ा में भी विश्वविद्यालय था। कुटुम्बा में दस हजार साल पुरानी सभ्यता उभरकर आयी है। लखीसराय में पाल समय का सभ्यता एवं संस्कृति मिला है। लोगों की अभिरूचि पर्यटन में बढ़ती ही जा रही है। सरकार पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। पर्यटन के बढ़ावा देने से ज्यादा से ज्यादा पर्यटक आयेंगे तो आर्थिक गतिविधियॉ बढ़ेगी। बिहार के गर्भ में प्राचीन इतिहास छिपा हुआ है। हम इतिहास के कुछ पन्ने को ही जान पाये हैं। बहुत सारे पन्नों पर धूल जमी हुयी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की विशेषता है कि बिहार के लोग मेहनती होते हैं। युवा पीढ़ी मेधावी है, कृषि की अपार संभावनायें हैं। हमारा इतिहास प्राचीन है, हमारा इतिहास अत्यंत गौरवशाली है। बिहार का इतिहास सिर्फ मगध एवं बिहार का ही इतिहास नहीं है बल्कि यह पूरे देश एवं विश्व का इतिहास है। बिहार की धरती से देश ही नहीं कई देशों का भी राजकाज का संचालन होता था। बिहार मानव जाति एवं मानव सभ्यता की धरती है। उन्होंने कहा कि गया में एक तरफ ज्ञान है, दूसरी तरफ मोक्ष है, यह अद्भूत धरती है। उन्होंने बौद्ध महोत्सव के आयोजकों, देश–विदेश से आये कलाकारों, पर्यटकों, बौद्ध धर्मावलंबियों को शुभकामनायें दी।

इस अवसर पर जिलाधिगया गया श्री कुमार रवि ने स्वागत भाषण किया। आयुक्त मगध प्रमण्डल गया श्रीमती वंदना किन्नी ने बौद्ध महोत्सव पर प्रकाश डाला। विधि सह प्रभारी मंत्री गया श्री कृष्णनंदन वर्मा, पर्यटन मंत्री श्रीमती अनिता देवी ने भी इस अवसर पर अपने–अपने सारगर्भित विचार व्यक्त किये।

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार एवं परम पावन करमापा ने दीप प्रज्ज्वलित कर तीन दिवसीय बौद्ध महोत्सव का उद्घाटन किया। कला, संस्कृति विभाग म्यांमार की तरफ से मुख्यमंत्री को विशेष उपहार दिया गया। कला, संस्कृति विभाग वियतनाम के तरफ से भी मुख्यमंत्री को विशेष उपहार दिया गया। आयुक्त मगध प्रमण्डल गया श्रीमती वंदना किन्नी ने फुलों का गुलदस्ता देकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। जिलाधिकारी गया श्री कुमार रवि ने प्रतीक चिह्न भेंटकर मुख्यमंत्री को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने लेजर शो देखा एवं श्रीलंका, क्रेन स्कूल का कंबोडियन डांस, थाईलैंड के नृत्य रामपालिंग का अवलोकन किया। उन्होंने नॉर्थ–ईस्ट के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत नृत्य का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के अलावे परम पावन करमापा श्री उग्येन दोरजे, महामहिम राजदूत थाईलैंड, महामहिम संघ राजा म्यांमार, हिज इमिनेंस ग्यागंग रिचपोचे, पर्यटन मंत्री श्रीमती अनिता देवी, पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री श्री अवधेश कुमार सिंह, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण सह प्रभारी मंत्री श्री कृष्णनंदन वर्मा, कला, संस्कृति एवं युवा कार्य मंत्री श्री शिवचन्द्र राम, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री उदय नारायण चौधरी, सांसद श्री हरी मॉझी, विधायक श्री बिनोद प्रसाद यादव, विधायक श्री कुमार सर्वजीत, विधायक श्रीमती समता देवी, विधायक श्री अभय कुशवाहा, विधायक श्री राजीव रंजन, विधान पार्षद श्रीमती मनोरमा देवी, विधान पार्षद श्री उपेन्द्र प्रसाद, विधान पार्षद श्री कृष्ण कुमार सिंह, आयुक्त मगध प्रमण्डल गया श्रीमती वंदना किन्नी, मुख्यमंत्री के सचिव श्री चंचल कुमार, सचिव बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति श्री नाग्जये दोरजे एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने महाबोधि मंदिर में जाकर राज्य के सुख, शांति एवं समृद्धि के लिये पूजा अर्चना की। उन्होंने महाबोधि मंदिर का परिभ्रमण भी किया। चीफ मोंक भंते चालिन्दा एवं भंते दीनानाथ ने मुख्यमंत्री को पूजा–अर्चना करायी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के साथ पर्यटन मंत्री श्रीमती अनिता देवी, कला, संस्कृति एवं युवा मंत्री श्री शिवचन्द्र राम, पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री श्री अवधेश

कुमार सिंह, प्रभारी मंत्री श्री कृष्णनंदन वर्मा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री उदय नारायण चौधरी, विधायक श्री अभय कुशवाहा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री चंचल कुमार, बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सह जिलाधिकारी श्री कुमार रवि, सदस्य श्री एन0 दोरजे, सदस्य श्री अरविन्द कुमार सिंह, सदस्य श्रीमती महाश्वेता, सदस्य श्रीमती कुसूम वर्मा, आयुक्त मगध प्रमण्डल श्रीमती वंदना किन्नी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

महाबोधि मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद मुख्यमंत्री महाबोधि सोसायटी ऑफ श्रीलंका स्थित बोधगया बौद्ध मंदिर में जाकर राज्य के सुख, शांति एवं समृद्धि के लिये पूजा अर्चना की। इस अवसर पर भंते मेदांकर ने मुख्यमंत्री को पूजा–अर्चना करवायी। यह महाबोधि सोसायटी ऑफ श्रीलंका अनागरिका धर्मपाला द्वारा निर्मित है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के साथ बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य भी उपस्थित थे।

******